एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 27.12.2023 को केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह, भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज के निर्देशन में कृषि विज्ञान केन्द्र, छाता, प्रयागराज में किया गया। कार्यक्रम का विषय कृषिवानिकी प्रजातियों की सतत् उपलब्धता था। कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य अतिथि डॉ. एम.पी. सिंह, समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र तथा भा.वा.अ. शि.प. – पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषिवानिकी के महत्व तथा क्षेत्र विशेष में पारम्परिक कृषिवानिकी प्रजातियों यथा सागौन, यूकेलिप्टस तथा नयी परिचयात्मक प्रजातियों यथा गम्हार, महोगनी तथा मीलिया डूबिया के रोपण का आह्वान किया। उन्होने परम्परागत कृषिवानिकी प्रजातियों के मांग एवं अन्तर को बताते हुए भविष्य में इनकी सतत् उपलब्धता हेतु कृषिवानिकी अपनाने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश तथा विपणन सम्बन्धी जानकारी भी दिया। इसी क्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने पॉपलर आधारित कृषिवानिकी अपनाने हेतु पौधशाला रोपण तथा विपणन सम्बन्धी जानकारियां साझा की। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने आयोजित कार्यक्रम में कृषिवानिकी के अंतर्गत बाँस की विभिन्न प्रजातियों को अपनाने हेतु चर्चा किया साथ ही इसके व्यावसायिक महत्व से भी अवगत कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केन्द्र अनुसंधान अध्येता सत्व्रत सिंह एवं सहायक, शशि प्रकाश के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोगी तथा 60 से अधिक किसानों ने भाग लिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् की एक परियोजना–पूर्वी उत्तर प्रदेश में कृषिवानिकी प्रजातियों की मांग एवं आपूर्ति के अध्ययन के अंतर्गत आयोजित किया गया।

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
कृषि वानिकी
प्रजातियों की सतत् उपलब्धता
भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
स्वच्छता पखवाड़ा

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
कृषि वानिकी
प्रजातियों की सतत् उपलब्धता
भा.वा.अ.शि.प.-पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज
स्वच्छता पखवाड़ा
प्रसार निदेशालय

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
कृषि वानिकी
स्वच्छता पखवाड़ा
प्रसार निदेशालय

LiFE
Lifestyle for Environment
कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम
कृषि वानिकी

किसानों को पौधारोपण की नई तकनीक बताई

प्रशिक्षण

प्रयागराज, संवाददाता। वन अनुसंधान केंद्र की ओर से बुधवार को छाता में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. एसपी सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया।

वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषि वानिकी के महत्व और इस प्रजाति के सागौन, यूकेलिपटस, नई प्रजातियों के पौधे गम्हार, महोगनी, मीलिया डूबीया के पौधरोपण की नई तकनीक की जानकारी किसानों को दी। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने कृषि वानिकी के तहत बांस की विभिन्न प्रजातियों के पौधरोपण की जानकारी दी। इसके साथ ही इसके व्यावसायिक महत्व को भी किसानों को बताया। इस प्रशिक्षण के दौरान केंद्र के सत्यव्रत सिंह, शशि प्रकाश समेत 60 से अधिक किसान मौजूद रहे।

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

उर्ध्व नेत्र

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के निर्देशन में कृषि विज्ञान केन्द्र, छाता, प्रयागराज में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को आयोजित हुआ जिसमे कृषिवानिकी प्रजातियों की सतत उपलब्धता पर विस्तार से चचाएँ हुई कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. एम. पी. सिंह, समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र तथा भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया।कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषिवानिकी के महत्त्व तथा क्षेत्र विशेष में पारम्परिक कृषिवानिकी प्रजातियों यथा सागौन, युकेलिपटस तथा नई परिचयात्मक प्रजातियां यथा गम्हार, महोगनी तथा मीलिया डूबीया के रोपण का आह्वान किया। इसी क्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने पॉपलर आधारित कृषिवानिकी अपनाने हेतु पौधाशाला रोपण तथा विपणन सम्बन्धी जानकारियां साझा की। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने आयोजित कार्यक्रम में कृषिवानिकी के अंतर्गत बाँस की विभिन्न प्रजातियों को अपनाने हेतु चर्चा किया साथ ही इसके व्यावसायिक महत्त्व से भी अवगत कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केन्द्र के अनुसंधान अध्येता सत्यव्रत सिंह एवं सहायक, शशि प्रकाश के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोगी तथा 60 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

www.jagran.com

एक नजर

किसानों को दिया कृषिवानिकी का प्रशिक्षण

प्रयागराज : किसानों को खेती में उपज और आमदनी बढ़ाने के लिए पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र ने बुधवार को मऊआइमा के छाता गांव में प्रशिक्षण आयोजित किया। केंद्र के प्रमुख डा. संजय सिंह ने बताया कि कृषिवानिकी प्रजातियों की सतत उपलब्धता की जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि केंद्र विज्ञान केंद्र के समन्वयक डा. एमपी सिंह और कृषि वैज्ञानिकों ने कृषिवानिकी का महत्व बताया। वैज्ञानिक डा. अनुभा श्रीवास्तव ने अहम जानकारी दी। डा. अनीता तोमर और आलोक यादव ने भी खेती की अलग-अलग फसलों के बारे में प्रशिक्षित किया। जासं

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज।भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह के निर्देशन में कृषि विज्ञान केन्द्र, छाता, प्रयागराज में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 27.12.2023 को किया गया। कार्यक्रम का विषय कृषिवानिकी प्रजातियों की सतत उपलब्धता था। कार्यक्रम का आरम्भ

मुख्य अतिथि डॉ. एम. पी. सिंह, समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र तथा भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा दीप प्रज्जवलित करके किया गया। कार्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने कृषिवानिकी के महत्त्व तथा क्षेत्र विशेष में पारम्परिक कृषिवानिकी प्रजातियों यथा सागौन, युकेलिपटस तथा नई परिचयात्मक प्रजातियां यथा गम्हार, महोगनी तथा मीलिया डूबीया के रोपण का आह्वान किया। इसी क्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर ने पॉपलर आधारित कृषिवानिकी अपनाने हेतु पौधाशाला रोपण तथा विपणन सम्बन्धी जानकारियां साझा की। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव ने आयोजित कार्यक्रम में कृषिवानिकी के अंतर्गत बाँस की विभिन्न प्रजातियों को अपनाने हेतु चर्चा किया साथ ही इसके व्यावसायिक महत्त्व से भी अवगत कराया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में केन्द्र के अनुसंधान अध्येता सत्यव्रत सिंह एवं सहायक, शशि प्रकाश के साथ कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोगी तथा 60 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

Farmer training program organized

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: Ecological Restoration Center, Prayagraj, under the direction of center head Dr. Sanjay Singh, one day farmer training program at Krishi Vigyan Kendra, Chhata, Prayagraj. The theme of the program was sustainable availability of agroforestry species. The program was started by the chief guest Dr. M.P. Singh, Coordinator, Krishi Vigyan Kendra and AIIMS. - It was done by lighting the lamp by senior scientists of the Ecological Restoration Centre. Program Coordinator and Senior Scientist Dr. Anubha Srivastava called for the importance of agroforestry and plantation of traditional agroforestry species like teak, eucalyptus and new introduced species like Gamhar, Mahogany and Milia Dubia in a particular area. In this sequence, senior scientist of the center, Dr. Anita Tomar shared information related to nursery planting and marketing for adopting poplar based agroforestry. In the program organized, Senior Scientist of the Centre, Alok Yadav, discussed the adoption of various species of bamboo under agroforestry and also informed about its commercial importance. The Centre's Research Fellow Satyavrat Singh and Assistant, Shashi Prakash along with Krishi Vigyan Kendra's associates and more than 60 farmers participated in the training programme.